साप्ताहिक
बुलंद गोंदिया
खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | **RNI NO. MAH-HIN-2020/84319**

बंद घर से 15 हजार की चोरी

गोंदिया–देवरी थाने के तहत शिक्षक कॉलोनी निवासी फिर्यादी सुदर्शन कृष्णा लांजेवार (44) अपने परिवार के साथ गोरेगांव अपने भाई के यहां गया था. इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति ने उनके घर का ताला तोड़कर देव घर में रखे 15 हजार रु. नकद उड़ा लिए. फिर्यादी की शिकायत पर देवरी पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

वर्ष : 6 | अंक : 46 गोंदिया : गुरुवार, दि. 25 जून से 1 जुलाई 2026 पृष्ठ : 4

साला निकला जीजा का हत्यारा सुपारी देकर करवाई हत्या
हत्याकांड का मुख्य मास्टरमाइंड सहित तीनआरोपी गिरफ्तार

बुलंद गोंदिया। गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम फूलचुर परिसर में कारंजा भद्रुटोला निवासी अनमोल वसंत रंगारी की हत्या का मामला 23 जून को सामने आया था इस मामले में लोकल क्राइम ब्रांच वह ग्रामीण पुलिस द्वारा जांच कार्रवाई करते हुए मृतक के साले को इस हत्याकांड का मुख्य मास्टरमाइंड वह अन्य तीन सहयोगियों आरोपीयो को गिरफ्तार किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम फूलचूर के किसान चौक में 22 जून की रात कारंजा भद्रुटोला निवासी एंबुलेंस चालक अनमोल वसंत रंगारी उम्र 40 वर्ष की हत्या कर दी गई थी। उपरोक्त मामला 23 जून की सुबह सामने आया जब एक खेत में उसका शव प्राप्त हुआ था। जिसके सर पर वह चेहरे पर हथियार से वार कर उसकी जघन्य ने हत्या की गई थी। इस मामले में ग्रामीण पुलिस थाने में धारा 103(1) भारतीय नया संहिता के तहत फरियादी कपूरचंद मनीराम रंगारी उम्र 58 वर्ष की शिकायत पर दर्ज किया गया था मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक गौरखभामरे द्वारा स्वयं निर्देश देते हुए इस मामले की जांच लोकल क्राइम ब्रांच के पुलिस निरीक्षक पुरुषोत्तम अहेरकर को दी। इसके पश्चात अज्ञात आरोपियों की तलाश के लिए लोकल क्राइम ब्रांच पुलिस द्वारा दो पथक तैयार कर जांच शुरू की गई। गुप्त जानकारी के आधार पर यह जानकारी प्राप्त हुई कि मृतक अनमोल का उसकी पत्नी के साथ वाद विवाद शुरू था तथा वह अपनी पत्नी को शारीरिक व मानसिक तकलीफ देने के साथ मारपीट भी करता था जिसके चलते मृतक का साला नीरज तुलसी कुमार बंसोड़ उम्र 28 वर्ष ग्राम खुर्सीपार पोस्ट चिड़चाडबांध तहसील आमगांव द्वारा अपनी बहन के साथ जाकर पुलिस स्टेशन में शिकायत भी की थी। यह जानकारी प्राप्त होने पर पथक द्वारा ग्राम को खुर्सीपार जाकर मृतक के साले नीरज को हिरासत में लेकर उससे कड़ाई से पूछताछ की तो उसने जानकारी दी कि अपने मित्रों के साथ उसने हत्या की है क्योंकि गत 6 वर्षों से उसकी बहन को उसका जीजा शारीरिक व मानसिक रूप से परेशान कर रहा था तथा उसकी बहन की ओर दुर्लक्ष करने के साथ मारपीट वह विवाद करता था यह बात उसे हमेशा परेशान कर रही थी। जिसके लिए नीरज बंसोड़ द्वारा उसकी हत्या करने के लिए नैनपुर मंडला मध्य प्रदेश निवासी अपने मित्र रोहित उर्फ आयुष नहर वंशकार उम्र 19 वर्ष बासुरी मोहल्ला को50000 की सुपारी दी थी। तथा इसके लिए 22 जून को शाम 7.30 बजे रोहित नहर वंशकार यह अपने दो मित्र निशांत मंगल बंसकार उम्र 19 वर्ष वह राहुल मिश्रा नंदा उम्र 32 वर्ष कनौजियाटो ला नैनपुर के साथ गोंदिया आया तथा नीरज बांसोड़ मेरे मित्र है ऐसा बोलकर मृतक को दारु पीने के लिए कारंजा फूलचूर बाईपास की ओर लेकर गए तथा सभी ने शराब का सेवन किया इसी दौरान आरोपियों ने लोहे की सब्बल से मृतक के सिर पर वार कर उसकी हत्या कर फरार हो गए थे। यह बात स्वीकार की। हत्याकांड का खुलासा होने व आरोपियों की जानकारी लगते ही लोकल क्राइम ब्रांच द्वारा नैनपुर जिला मंडला पहुंचकर इस हत्याकांड में शामिल फरार तीनों आरोपी रोहित उर्फ आयुष नहर वंशकार, निशांत मंगल बंसकार व राहुल मिश्रा नंदा को नैनपुर से गिरफ्तार कर पूछताछ की तो आरोपियों द्वारा स्वीकार किया कि चारों ही आरोपी ने इस हत्याकांड को अंजाम दिया। उपरोक्त कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे अपर पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे द्वारा दिए गए दिशा निर्देश अनुसार लोकल क्राइम ब्रांच केपुलिस निरीक्षक पुरुषोत्तम अहेरकर के नेतृत्व में सपोनी धीरज राजूरकर,सफौ राजू मिश्रा, भुवनलाल देशमुख ,पोहवा संजय चौहान, दीक्षित कुमार दमाहे, विट्ठल ठाकरे, सुबोध बिसेन ,इंद्रजीत बिसेन, महेश मेहर,पोसी राकेश इंदुरकर ,छगन विठ्ठले, राधेश्याम कांबड़े, चापोसी राम खंडारे तथा साइबर सेल के रोशन येरणे , योगेश राहिले श्रेयश लांबट द्वारा की गई।

अज्ञात महिला की धारदार हथियार से गला काटकर हत्या सूर्याटोला रेलवे ट्रैक पर मिला शव

बुलंद गोंदिया। रामनगर पुलिस थाना अंतर्गत आने वाली सूर्याटोला रेलवे चौकी के रेलवे ट्रैक पर सोमवार 22 जून की सुबह एक अज्ञात महिला की धारदार हथियार से गला कटा हुआ शव नागरिकों को दिखाई दिया जिसकी जानकारी रामनगर पुलिस थाने को दी गई। इस घटना से संपूर्ण परिसर में हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोंदिया शहर के रामनगर पुलिस थाना अंतर्गत आने वाली सूर्याटोला रेलवे चौकी की मुंबई हावड़ा रेलवे लाइन की रेलवे ट्रैक के बीच में सोमवार 22 जून की सुबह परिसर के नागरिकों को एक अज्ञात महिला का शव दिखाई दिया जिसका गला धारदार हथियार से काटा गया था। इस घटना की जानकारी पर नागरिकों द्वारा रामनगर पुलिस थाने को दी गई घटना की जानकारी प्राप्त होते हैं रामनगर पुलिस घटना स्थल पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए सबूतो को जमा करने के लिए घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया तथा फोरेंसिक विशेषज्ञों द्वारा घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण कर कुछ नमूने को जमा किया तथा मृतक महिला के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए शासकीय चिकित्सालय में भेजा गया। महिला की पहचान नहीं मृतक महिला की पहचान नहीं हुई यह महिला कहां की है आसपास की निवासी है अथवा अन्य कहीं की इसकी तलाश पुलिस द्वारा करते हुए नागरिकों से आवाहन किया है कि मृतक महिला के संदर्भ में किसी को भी जानकारी होने पर तत्काल इसकी सूचना रामनगर पुलिस थाने को दें।

मंदार पत्की गोंदिया के नए जिलाधिकारी

बुलंद गोंदिया। गोंदिया के जिलाधिकारी मंगेश गोंदावले का 23 जून2026 को जारी किए गए आदेश के तहत तबादला किया गया अब उनकी जगह गोंदिया जिले के नए जिलाधिकारी मंदार पत्की होंगे। मंगेश गोंदावले द्वारा 5 अप्रैल 2026 को गोंदिया के जिलाधिकारी के रूप में अपना पदभार संभाला था किंतु दो माह में ही उनका तबादला छत्रपति संभाजी नगर के नए शहर सिडको के मुख्य प्रशासक के रूप में कर दिया गया है। मंगेश गोंदावले के तबादले के बाद अब गोंदिया के नए जिलाधिकारी यवतमाल जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मंदार पत्की की नियुक्ति की गई है। उपरोक्त आदेश सामान्य प्रशासन विभाग के सह सचिव सुभाष उमराणीकर द्वारा जारी किए गए हैं।

गटर योजना, जलापूर्ति योजना के कार्य से शहर वासियों को ना हो परेशानी
नगराध्यक्ष शेंडे ने 25 जून को बुलाई विभाग प्रमुखो की विशेष सभा

बुलंद गोंदिया। गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत भूमिगत गटर योजना व विस्तारित जलापूर्ति योजना का कार्य शुरू है जिसके लिए शहर के मार्गों का खोदकाम जा रहा है किंतु मानसून का मौसम शुरू होने वह आने वाले त्यौहारो को देखते हुए शहर वासियों को परेशानी ना हो इस पर उपाय योजना करने के लिए 25 जून गुरुवार को नगराध्यक्ष सचिन शेंडे द्वारा नगर परिषद के सभी विभाग प्रमुखों की एक विशेष सभा आयोजित की है। गौरतलब है की गोंदिया शहर के शहरी व रामनगर क्षेत्र में भूमिगत गटर योजना कार्य के साथ-साथ शहर के नागरिकों को मिलने वाले पेयजल के लिए विस्तारित जलापूर्ति योजना का कार्य अलग-अलग एजेंसीयों द्वारा किया जा रहा है। जिसके लिए शहर के सभी मार्गों पर खोदकाम सुरु हैं किंतु अनेक क्षेत्रों में उन खोदकामो के गड्ढो को समुचित तरीके से सुधार कार्य न किए जाने के चलते नागरिकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। जिसकी शिकायत नागरिकों द्वारा नगराध्यक्ष सचिन शेंडे से की गई थी। जिस पर आगामी मानसून के दौरान बारिश शुरू होने वह पर्व त्योहार के शुरू होने जिसमें मुख्य रूप से गणेश उत्सव, दुर्गा उत्सव, जन्माष्टमी आदि त्योहारों को देखते हुए बारिश के पूर्व ही इन कार्यों को अस्थाई रूप से बंद कर मार्गों को उचित तरीके से सुधार कार्य करने तथा शहर के नालों व नालियों की सफाई व्यवस्थित होने इन सभी का हल निकालने के लिए नगराध्यक्ष सचिन शेंडे द्वारा नगर परिषद सभागृह में 25 जून गुरुवार को दोपहर 12ः00 बजे नप के सभी विभाग प्रमुखों की एक विशेष सभा का आयोजन किया है। जिसमें उपरोक्त कार्यो की समीक्षा कर जल्द से जल्द सुधार कार्य करने का कार्य शुरू किया जाएगा।

बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए ज़िला प्रशासन तैयार ज़िलाधिकारी डॉ. मंगेश गोंदावले
ज़िलाधिकारी ने बाढ़-संभावित इलाकों का निरीक्षण किया

बुलंद गोंदिया। ज़िले के 96 गांवों में बाढ़ का खतरा है। मॉनसून के मौसम की शुरुआत के साथ, ज़िलाधिकारी डॉ. मंगेश गोंदावले ने रविवार को बाढ़-संभावित इलाकों का दौरा किया, निवासियों से बातचीत की और उन्हें भरोसा दिलाया कि ज़िला प्रशासन किसी भी बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।

ज़िलाधिकारी के साथ ज़िला आपदा प्रबंधन अधिकारी राजन चौबे, सहायक अभियंता (बाग-इटियाडोह) प्रियम शुभम, कनिष्ठ अभियंता रामेश्वर कुंडलवाड़े, संबंधित सर्कल अधिकारी, तलाठी और ज़िला-स्तरीय खोज और बचाव दल के सदस्य मौजूद थे।

ज़िलाधिकारी ने गोंदिया तालुका के कोर्नी घाट, राजेगांव, बिरसोला, कासा, काटी और पुजारीटोला जैसे गांवों का दौरा किया। उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत की और भौगोलिक स्थितियों तथा मॉनसून-पूर्व तैयारियों के तहत इस साल की गई बाढ़ प्रबंधन योजना का निरीक्षण किया।

हालांकि भारत मौसम विज्ञान विभाग ने इस साल औसत से कम बारिश का अनुमान लगाया है, फिर भी ज़िलाधिकारी ने इलाके का निरीक्षण करने के लिए बाढ़-संभावित गांवों का व्यक्तिगत रूप से दौरा किया। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से बाढ़ के कारणों और बाढ़ की घटनाओं के दौरान खोज और बचाव कार्यों के लिए प्रशासन द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में भी जानकारी ली।

ज़िलाधिकारी ने नदी के किनारे बसे गांवों (वैनगंगा और बाग नदियों के किनारे) और निचले इलाकों में बने घरों को बाढ़ से होने वाले संभावित नुकसान के साथ-साथ समय पर सरकारी सहायता के लिए नावों और कर्मचारियों की पर्याप्तता के बारे में विस्तृत जानकारी मांगी। उन्होंने वहां मौजूद ग्रामीणों से बातचीत की और उनकी चिंताओं को सुना।

नागरिकों से ज़िलाधिकारी की अपील

ज़िला प्रशासन आपदा के समय नागरिकों को किसी भी तरह की सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन और नागरिकों को मिलकर काम करना चाहिए। फिलहाल ज़िले में बाढ़ की स्थिति नहीं है। हालांकि, लोगों को बांधों या जलाशयों के पानी में नहीं उतरना चाहिए। उन्हें सेल्फी लेने के लालच से बचना चाहिए, नाव चलाते समय लाइफ जैकेट पहननी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि नावों में उनकी क्षमता से ज़्यादा लोग न हों। जब पुलों के ऊपर से पानी बह रहा हो, तो नागरिकों को उन्हें पार करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। ज़िलाधिकारी डॉ. मंगेश गोंदावले ने ज़िले के नागरिकों से इस संबंध में विशेष सावधानी बरतने का आग्रह किया है।

पानी का समझदारी से इस्तेमाल करें

इस साल कम बारिश के अनुमान को देखते हुए, किसानों और नागरिकों से अपील की जाती है कि वे पानी का समझदारी से इस्तेमाल करें और मौसम विभाग की सलाह के आधार पर खेती-बाड़ी से जुड़ी गतिविधियां तय करें। भविष्य में पानी की कमी और बढ़ते तापमान से बेहतर ढंग से निपटने के लिए ज़िला प्रशासन ने बड़े पैमाने पर रेनवाटर हार्वेस्टिंग (वर्षा जल संचयन) और पेड़ लगाने की अपील भी की है।

अमृत मानव मित्र काउंसलर ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू

बुलंद गोंदिया। अमृत मानव मित्र काउंसलर ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू हो गया है। यह प्रोग्राम महाराष्ट्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ, रिसर्च एंड ट्रेनिंग के ज़रिए मेंटल हेल्थ (मानसिक स्वास्थ्य) के क्षेत्र में करियर बनाने का एक शानदार मौका देता है। इसके लिए इच्छुक उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। बदलते सामाजिक, शैक्षिक और पारिवारिक हालात के बीच, छात्रों, युवाओं और आम लोगों में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी कई समस्याएं देखी जा रही हैं। इस क्षेत्र में प्रशिक्षित काउंसलर्स की ज़रूरत को समझते हुए, AMRUT ने यह नई पहल शुरू की है। महाराष्ट्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ, पुणे, इस ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए टेक्निकल पार्टनर के तौर पर काम कर रहा है। ट्रेनिंग के सिलेबस में स्टूडेंट काउंसलिंग, बच्चों और किशोरों का मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, जीवन कौशल शिक्षा, माता-पिता और शिक्षकों के साथ बातचीत, साइबर सुरक्षा और डिजिटल हेल्थ, मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और कम्युनिटी-बेस्ड काउंसलिंग जैसे विषय शामिल हैं। ट्रेनिंग पूरी करने वाले उम्मीदवारों को सर्टिफिकेट मिलेगा और उन्हें स्कूलों, कॉलेजों और सामाजिक संगठनों में कई तरह के मौके मिलेंगे, साथ ही वे अपना काम (सेल्फ-एम्प्लॉयमेंट) भी शुरू कर सकेंगे। यह ट्रेनिंग एक महीने की होगी, जिसमें 15 दिन की इन-पर्सन (आमने-सामने) क्लास होंगी और बाकी समय ऑनलाइन एक्सपर्ट सेशन, केस स्टडीज़, फील्ड विज़िट और गाइडेंस सेशन के लिए होगा। यह ट्रेनिंग पूरी तरह से मुफ़्त है। साइकोलॉजी, सोशल वर्क , काउंसलिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य या सामाजिक क्षेत्र में बैकग्राउंड रखने वाले ग्रेजुएट और इच्छुक युवा (पुरुष और महिलाएं) आवेदन करने के पात्र हैं। हर ज़िले में सीमित सीटों पर एडमिशन दिया जाएगा और सिलेक्शन मेरिट के आधार पर होगा। पहले बैच के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है और आवेदन जमा करने की आखिरी तारीख 22 जून, 2026 है। इच्छुक उम्मीदवारों को ऑनलाइन आवेदन फ़ॉर्म भरकर रजिस्ट्रेशन करना चाहिए। ज़्यादा जानकारी के लिए, कृपया अमृत ऑफिस, गोंदिया से संपर्क करें।

जिले में बचे सिर्फ 31 सारस पक्षी
वन विभाग ने 34 स्थानों पर की विशेष गणना

गोंदिया-जिले में सारस पक्षियों के संरक्षण के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा विशेष गणना अभियान चलाया गया. सुबह 4 बजे से जिलाधीश मंगेश गोंदावले और उपवनसंरक्षक पवन कुमार जोंग के नेतृत्व में हिरवल संस्था, पक्षी प्रेमी संगठनों तथा वन विभाग की टीमों ने डांगोरली घाट क्षेत्र समेत जिले के 34 महत्वपूर्ण स्थानों का दौरा कर सारस पक्षियों की गणना की. वर्तमान में जिले में सारस पक्षियों की संख्या सिर्फ 31 के आसपास रह गई है. पिछले कई वर्षों से इनकी संख्या में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है, जिससे पर्यावरण प्रेमियों और पक्षी विशेषज्ञों में चिंता बढ़ गई है. प्रेम, निष्ठा और पर्यावरणीय संतुलन का प्रतीक माना जाने वाला सारस पक्षी जिले की प्राकृतिक धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा है. वन विभाग द्वारा पूर्व में शासन के निर्देश अनुसार विभिन्न जलाशयों में सारस पक्षियों के लिए अनुकूल आवास विकसित करने के प्रयास किए गए हैं. डांगोरली घाट में रेत उत्खनन, प्राकृतिक आवासों के निकट बढ़ता मानवीय हस्तक्षेप, खेतों में रासायनिक कीटनाशकों के छिड़काव से इन पक्षियों के अस्तित्व पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है. सारस पक्षियों के संरक्षण और उनके प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा के लिए प्रशासन से तत्काल प्रभावी कदम उठाने की मांग पक्षी प्रेमियों और पर्यावरणविदों द्वारा की जा रही है. अब सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि आने वाले समय में प्रशासन इनके संरक्षण के लिए कौन-कौन से ठोस उपाय करता है.

नाबालिग लड़की से दुष्कर्म कर गर्भवती बनाया

गोंदिया-शहर के रामनगर थानांतर्गत 16 वर्षीय नाबालिग युवती के साथ बार-बार दुष्कर्म कर उसे गर्भवती किए जाने का मामला सामने आया है. जिसके बाद 22 जून को आरोपी के खिलाफ पीड़िता की शिकायत पर रामनगर थाने में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है. आरोपी का नाम कुड़वा निवासी सुखविंदर श्याम बिसेन (24) बताया गया है. पीड़िता द्वारा दी गई शिकायत के अनुसार आरोपी सुखविंदर ने पीड़िता को 10 जनवरी 2025 को प्रलोभन दिया व उसे दो दिनों बाद अपने घर में बुलाकर जबरन शारीरिक संबंध स्थापित किए. जिसका पीड़िता द्वारा विरोध भी किया गया. एक माह बाद फिर आरोपी ने पीड़िता के साथ शारीरिक संबंध बनाए. पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने उसके साथ 4 से 5 बार जबरन दुष्कर्म किया. जिससे जनवरी 2026 में पीड़िता गर्भवती हो गई. जब आरोपी को पीड़िता ने इसकी जानकारी दी तो उसने देख लेने की बात कही. तब पीड़िता ने इसकी जानकारी अपने भाई व मां को दी. जिसके बाद रामनगर थाने में आरोपी के खिलाफ पोक्सो सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है.

संपादकिय...

रद्द करो दलबदल कानून

आम आदमी पार्टी (आप), तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव) के सांसद दलबदल कर चुके हैं। 'आप' के 7 सांसद राज्यसभा के थे, लेकिन अभी लोकसभा के 3 सांसदों की बोली तय नहीं हुई है। तृणमूल और उद्धव शिवसेना के 26 लोकसभा सांसद तोड़े जा चुके हैं। यानी बिक चुके हैं। भाजपा के प्रवक्ता पार्टी को इतना मासूम और तटस्थ करार देने का ढोंग न करें, क्योंकि सांसद उसके अघोषित 'ऑपरेशन दो-तिहाई' के मद्देनजर तोड़े जा रहे हैं। नहीं तो बागियों की बैठकों में भाजपाई केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री क्या करते रहे हैं? हरोज, हर पल चाय-पानी ही चलता रहता है क्या? बहरहाल शिवसेना (उद्धव) के 'बिकाऊ सांसद' महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना में विलीन हो चुके हैं। गृहमंत्री अमित शाह अब उसे ही 'असली शिवसेना' मानते हैं। वह काफी हद तक उचित भी हैं, क्योंकि चुनाव आयोग ने उसे ही 'असली शिवसेना' की मान्यता दी है और चुनाव चिह्न भी उसे ही सौंप दिया गया है। चुनाव आयोग सक्षम, अधिकार प्राप्त संवैधानिक संस्था है। इसी तरह शरद पवार ने जिस एनसीपी की स्थापना की थी, अब वह उनके सगे भतीजे अजित पवार (अब दिवंगत) के कब्जे में है। उसे ही 'असली एनसीपी' की मान्यता प्राप्त है। चुनाव चिह्न भी उसे ही आवंटित किया जा चुका है। हालांकि ये दोनों मामले अभी सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन हैं। तृणमूल कांग्रेस में तो बागी 60-65 विधायकों ने सामूहिक निर्णय लेकर ममता बनर्जी को अध्यक्ष पद से हटा दिया है और अरूप राय को नया अध्यक्ष चुन लिया है। कुछ उपाध्यक्ष और महासचिव भी तय किए गए हैं। कार्यकारिणी नई बनना भी तय लगता है। उसके बाद चुनाव आयोग की दहलीज पर दस्तक दी जाएगी। गृहमंत्री अमित शाह का 'आशीर्वाद' है, तो आयोग उसे भी 'असली तृणमूल' घोषित कर देगा। गृहमंत्री का संकल्प है कि ममता की तृणमूल का 'सर्वनाश' किए बिना वह राहत की सांस महसूस नहीं करेंगे। तृणमूल के बागी 20 लोकसभा सांसद तो 'नेशनल सिटीजन पार्टी ऑफ इंडिया' सरीखी गुमनाम और बिन विधायक-सांसद की बौनी पार्टी में विलय कर चुके हैं। फिलहाल उनका प्रस्ताव स्पीकर ओम बिरला के विचाराधीन है। भाजपा तमिलनाडु की प्रमुख पार्टी द्रमुक पर भी डोरे डाल रही है, क्योंकि लोकसभा में उसके 22 सांसद हैं। बेशक राज्य में उनकी सरकार पराजित हो चुकी है। अभी तो छोटे और 1-2 सांसद वाले दलों को 'खरीदना' शेष है। ये तमाम दलबदल भीतरी असंतोष और नेतृत्व के प्रति बगावत के ही निष्कर्ष नहीं हैं, बल्कि सांसद तोड़े जा रहे हैं। 52वां और 91वां संविधान संशोधन कर जो दलबदल विरोधी कानून बनाया गया था, उसमें एक-तिहाई अथवा दो-तिहाई सांसदों-विधायकों के पालाबदल की व्यवस्था रही है। अब यह कानून कागजी साबित हो रहा है, क्योंकि जन-प्रतिनिधि बेचे-खरीदे जा रहे हैं। तो फिर इस कानून की जरूरत क्यों है? जैसा 1985 और 2003 से पहले था, वैसा ही रहने दीजिए। सांसदों-विधायकों को दलबदल करने की कानूनन छूट दे दी जाए। अरे, खुला बाजार सजा है, बोलियां लगने दीजिए। लोकतंत्र, संविधान, नैतिकता की परवाह क्यों की जाए? अमरीका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका सरीखे बड़े लोकतांत्रिक देशों में दलबदल निरोधक कानून नहीं है।

मादक पदार्थों का नशा - मस्तिष्क को अनियंत्रित करने वाला घातक जहर

नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ विश्व दिवस -26 जून 2026

समस्त जीव-जगत में मनुष्य को सबसे बुद्धिमान प्राणी माना जाता है और इसका प्रमुख कारण उसका विकसित मस्तिष्क हैं। मानव शरीर की प्रत्येक गतिविधि, निर्णय और व्यवहार का संचालन मस्तिष्क द्वारा ही किया जाता हैं। यदि मस्तिष्क सही ढंग से कार्य न करे तो मनुष्य का अस्तित्व मात्र एक जिंदा लाश तक सीमित रह जाता हैं। दुर्भाग्यवश, नशा सबसे पहले और सबसे अधिक इसी मस्तिष्क पर आघात करता है। मादक पदार्थों का सेवन व्यक्ति की सोचने-समझने की क्षमता को प्रभावित कर देता है, जिससे वह सही और गलत के बीच का अंतर समझने में असमर्थ हो जाता हैं। नशे की स्थिति में व्यक्ति का अपने व्यवहार और भावनाओं पर नियंत्रण कम हो जाता हैं। यही कारण है कि अनेक अपराधों के पीछे नशे की महत्वपूर्ण भूमिका देखी जाती हैं। नशे की लत पूरी करने के लिए लोग चोरी, लूट, हिंसा और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों का सहारा लेते हैं। आर्थिक तंगी बढ़ने पर कई बार स्थिति इतनी भयावह हो जाती है कि व्यक्ति अपने ही परिवार के सदस्यों के साथ हिंसक व्यवहार करने लगता हैं। समाचारों में अक्सर ऐसी घटनाएँ सामने आती हैं, जहाँ नशे की लत के कारण परिवार टूट जाते हैं और निर्दोष लोगों की जान तक चली जाती हैं। नशा केवल मस्तिष्क को ही नहीं, बल्कि शरीर के अन्य महत्वपूर्ण अंगों को भी धीरे-धीरे नुकसान पहुँचाता हैं। इसका परिणाम अनेक गंभीर और महंगी बीमारियों के रूप में सामने आता है, जो अंततः असमय मृत्यु का कारण बन सकती हैं। इसलिए नशा किसी भी रूप में मनोरंजन या राहत का साधन नहीं, बल्कि धीरे-धीरे जीवन को नष्ट करने वाला जहर हैं। भारत सरकार का सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय प्रत्येक वर्ष नशा मुक्ति के लिए जागरूकता अभियान चलाता हैं। वर्ष 2026 में 17 जून से 26 जून तक 'नशा मुक्त सप्ताह' मनाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत देशभर में विविध जनजागृति कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस वर्ष की थीम है- **वैश्विक स्तर पर ड्रग समस्या** = इससे उत्पन्न चुनौतियाँ और उनके नए समाधान। यह विषय इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज नशीले पदार्थों की उपलब्धता और पहुँच पहले की तुलना में कहीं अधिक बढ़ गई हैं। छोटे बच्चों से लेकर युवाओं और वृद्धों तक, हर आयु वर्ग के लोग किसी न किसी रूप में इस समस्या की चपेट में आ रहे हैं। हाल ही में समाचारों में प्रकाशित जानकारी के अनुसार नागपुर में पांच महीनों के भीतर पांच करोड़ रुपये मूल्य की नशीली सामग्री जब्त की गई। यदि एक शहर की यह स्थिति है, तो पूरे राज्य और देश में मादक पदार्थों की तस्करी का वास्तविक स्वरूप कितना व्यापक होगा, इसका सहज अनुमान लगाया जा सकता हैं। यह स्थिति केवल कानून-व्यवस्था की चुनौती नहीं है, बल्कि राष्ट्र के भविष्य के लिए भी गंभीर खतरा है। देश का युवा वर्ग किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति माना जाता हैं। यदि यही युवा नशे की गिरफ्त में आ जाए तो समाज और देश दोनों का विकास प्रभावित होता हैं। पहले के समय में कुछ लोग यह मानते थे कि नशा थकान दूर करता है या मानसिक तनाव कम करता हैं। सीमित शिक्षा और मनोरंजन के साधनों के कारण ऐसी धारणाएँ प्रचलित थीं। किंतु आज, जब शिक्षा, तकनीक और जागरूकता के अनेक साधन उपलब्ध हैं, तब भी बड़ी संख्या में युवा नशे को आधुनिकता, मौज-मस्ती या सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़कर देख रहे हैं। यह प्रवृत्ति अत्यंत चिंताजनक हैं।

जब परिवार का कोई एक सदस्य भी नशे का आदी हो जाता है, तो उसके दुष्परिणाम पूरे परिवार को भुगतने पड़ते हैं। परिवार आर्थिक संकट, मानसिक तनाव, सामाजिक अपमान और भावनात्मक पीड़ा का सामना करता हैं। नशे की लत व्यक्ति को धीरे-धीरे उसकी जिम्मेदारियों से दूर कर देती हैं। वह अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में असफल होने लगता है और परिवार के अन्य सदस्य स्वयं को असुरक्षित तथा असहाय महसूस करते हैं। यदि परिवार का मुखिया ही नशे का शिकार हो जाए, तो पूरे परिवार का भविष्य संकट में पड़ता हैं। नशा केवल व्यक्तिगत या पारिवारिक समस्या नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय विकास में भी बड़ी बाधा हैं। इससे अपराध, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, गरीबी और सामाजिक अस्थिरता जैसी अनेक समस्याएँ बढ़ती हैं। जिन देशों में नशीले पदार्थों का व्यापार बड़े पैमाने पर फैला है, वहाँ सामाजिक और आर्थिक विकास गंभीर रूप से प्रभावित हुआ हैं। इसलिए नशे के विरुद्ध संघर्ष केवल स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय जिम्मेदारी भी हैं। बच्चों और किशोरों को नशे से दूर रखने में अभिभावकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। केवल बच्चों की इच्छाएँ पूरी करना या उन्हें भौतिक सुविधाएँ उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं हैं। अभिभावकों को यह जानना चाहिए कि उनके बच्चे किन लोगों के संपर्क में हैं, कहाँ समय बिताते हैं और किन गतिविधियों में शामिल रहते हैं। बच्चों के व्यवहार में होने वाले परिवर्तनों को समझना और समय रहते उचित मार्गदर्शन देना आवश्यक हैं। परिवार में ऐसा वातावरण होना चाहिए जहाँ बच्चे बिना किसी डर के अपने विचार और समस्याएँ साझा कर सकें। यदि माता-पिता बच्चों के मित्र बनकर संवाद स्थापित करें, तो बच्चों को गलत रास्ते पर जाने से रोका जा सकता हैं। बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में परिवार की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है, इसलिए उनके संस्कार, नैतिक शिक्षा और जीवन मूल्यों पर विशेष ध्यान देना आवश्यक हैं। आज समाज में कई ऐसी घटनाएँ देखने को मिलती है, जहाँ नशे की हालत में लोग गंभीर अपराध कर बैठते हैं। ऐसी घटनाएँ यह स्पष्ट करती हैं कि नशा व्यक्ति की निर्णय क्षमता को किस हद तक प्रभावित कर सकता हैं। इसलिए केवल अपराधी को दोषी ठहराना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन सामाजिक परिस्थितियों और लापरवाहियों पर भी विचार करना आवश्यक है, जो ऐसी घटनाओं को जन्म देती हैं। सरकारी आँकड़ों के अनुसार देश में नशे की शुरुआत की औसत आयु लगभग 12 से 13 वर्ष है, जो अत्यंत चिंताजनक तथ्य हैं। करोड़ों लोग शराब, गांजा, चरस, ओपिओइड्स तथा अन्य नशीले पदार्थों का सेवन कर रहे हैं। विश्व स्तर पर भी नशीली दवाओं के उपयोग में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही हैं। अवैध मादक पदार्थों का उत्पादन और तस्करी संगठित अपराध को बढ़ावा दे रही है तथा अनेक देशों के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी हैं। इस समस्या से निपटने के लिए अत्यधिक कड़े कानून की आवश्यकता हैं। नशे की गिरफ्त में आए लोगों को उपचार, पुनर्वास और भावनात्मक सहयोग की भी आवश्यकता होती हैं। तनाव, अकेलापन, चिंता, सामाजिक दबाव और भावनात्मक अस्थिरता जैसे कारण भी युवाओं को नशे की ओर धकेलते हैं। इसलिए उन्हें सकारात्मक जीवन मूल्यों, स्वस्थ जीवनशैली, आत्मविश्वास और मानसिक मजबूती की दिशा में मार्गदर्शन देना आवश्यक हैं। देशभर में नशा मुक्ति केंद्र, पुनर्वास केंद्र और सहायता सेवाएँ उपलब्ध हैं।

नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत हेल्पलाइन नंबर 14446 भी संचालित किया है, जहाँ सहायता प्राप्त की जा सकती हैं। जीवन अनमोल है और इसे नशे जैसी विनाशकारी आदतों में बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए। यदि हम स्वयं जागरूक बनें और दूसरों को भी जागरूक करें, तो नशामुक्त समाज और स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। नशा जीवन में सुख, सफलता और सम्मान नहीं लाता, बल्कि धीरे-धीरे व्यक्ति, परिवार और समाज को विनाश की ओर ले जाता हैं। इसलिए हमें संकल्प लेना चाहिए कि स्वयं नशे से दूर रहेंगे और दूसरों को भी इससे बचाने का प्रयास करेंगे। यही स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की सबसे मजबूत नींव हैं।

-डॉ. प्रितम भि. गेडाम

हजारों का नुकसान, पहली बारिश में नगर परिषद की खुली पोल

नाली बंद, दुकान में घुसा बारिश का पानी

तिरोड़ा-नप क्षेत्र के व्यापारी परिसर और कृउबास परिसर में जल निकासी व्यवस्था ध्वस्त होने के कारण पहली ही बारिश में एक दुकानदार को भारी नुकसान उठाना पड़ा. वर्षों पुरानी पक्की नालियों को बंद कर दिए जाने और उचित जल निकासी की व्यवस्था नहीं होने से बारिश का पानी सीधे दुकान में घुस गया, जिससे खाद, धान बीजाई तथा महुआ फूल सहित अन्य सामग्री खराब हो गई. व्यापारी परिसर तथा कृषि उत्पन्न बाजार समिति क्षेत्र में पहले बारिश और मकानों का पानी निकालने के लिए पक्की नालियां बनाई गई थीं. कृषि उत्पन्न बाजार समिति के नए कार्यालय के सामने तथा महाराष्ट्र बैंक के सामने से भी पक्की नालियां गुजरती थीं, जिनसे पानी आसानी से आगे बह जाता था. बाद में इन नालियों के ऊपर सीमेंट कंक्रीट के रास्ते बना दिए गए, जिससे जल निकासी का मार्ग पूरी तरह समाप्त हो गया. कृउबास की स्थापना से पहले यह क्षेत्र ग्रापं तथा बाद में नप के अधीन था. वर्तमान में भी संत रविदास वार्ड की वसाहत, साप्ताहिक बाजार और कई आवासीय मकान इसी परिसर से जुड़े हुए हैं. ऐसे में जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने से बारिश के दौरान लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. जल निकासी बाधित होने से पानी जमा इसी परिसर में रहने वाले दुकानदार राजकुमार अग्रवाल के मकान और दुकान के पास पहले पक्की नाली थी, जिसका पानी आगे प्रेमबंधन लॉन की ओर बहता था. लेकिन नाली बंद हो जाने तथा आगे के हिस्से में भी जल निकासी बाधित होने से बारिश का पानी

जमा हो गया. मंगलवार शाम हुई पहली तेज बारिश में पानी रास्ते से होकर सीधे उनकी दुकान में घुस गया. दुकान में रखा खाद, धान बीजाई का बीज, महुआ फूल तथा अन्य कृषि सामग्री पानी में भीग गई, जिससे हजारों का नुकसान होने की बात कही जा रही है. बताया गया कि पुराना मकान सड़क की वर्तमान ऊंचाई की तुलना में नीचे हो गया है. दो वर्ष पूर्व सामने पक्का निर्माण कराया गया, लेकिन सड़क की ऊंचाई लगातार बढ़ने से बारिश का पानी सीधे दुकान की ओर आने लगा.

नगर परिषद पर लापरवाही का आरोप

नागरिकों ने नप पर लापरवाही का आरोप लगाया है. उनका कहना है कि भवन निर्माण की अनुमति तो दी जाती है, लेकिन निर्माण नक्शे के अनुसार हो रहा है या नहीं तथा नालियों और जल निकासी पर उसका क्या प्रभाव पड़ेगा, इसकी निगरानी नहीं की जाती. नागरिकों को जलभराव और आर्थिक नुकसान जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. नागरिकों ने नप से तत्काल नालियों की सफाई और स्थायी जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है

पूर्णा-गांधीधाम एक्सप्रेस में ट्रॉली बैग में भरा था गांजा

ट्रेन में दो तस्करों से 42.86 लाख का गांजा बरामद

गोंदिया-रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल ने ऑपरेशन नार्कोस के तहत गाड़ी संख्या 22974 पूर्णा-गांधीधाम एक्सप्रेस में दो अंतरराज्यीय तस्करों को भारी मात्रा में मादक पदार्थ गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 42.86 लाख रुपए का 85.720 किलो गांजा जब्त किया गया है। यह कार्रवाई गोंदिया एवं नागपुर की आरपीएफ टीम ने की। मिली जानकारी के अनुसार रविवार को आरपीएफ नागपुर मंडल की गोंदिया एवं नागपुर विशेष टीम ने एनडीपीएस ड्राइव के दौरान गाड़ी संख्या 22974 के बी-4 कोच में दो व्यक्तियों को चार ट्रॉली बैग व दो पिट्ठू बैग के साथ संदिग्ध अवस्था में पाया । पूछताछ में उन्होंने अपने नाम ओड़िसा राज्य के जिला गंजाम 7 अंतर्गत ग्राम कांसामारी निवासी नरहरी बेहेरा व कांटी चंदन डोरा बताया।

जांच के दौरान उनके कब्जे से 85.720 किलो गांजा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत 42 लाख 86 हजार रुपए आंकी गई है। दोनों आरोपियों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जीआरपी इतवारी को सुपुर्द कर दिया गया।

सुगंधित तंबाकू का जखिरा देखकर हैरान

4.38 लाख का माल जब्त

गोंदिया-अन्न व औषधि प्रशासन द्वारा शहर से सटे फूलचुर में संग्रहित सुगंधित तंबाकू अड्डे पर छापामार कार्रवाई की गई. इस कार्रवाई में कुल 4 लाख 38 हजार 774 रु. का माल जब्त किया गया. इस मामले में ग्रामीण पुलिस ने फूलचुर निवासी आरोपी संतोष प्रेमचंद जैस्वाल (45) के खिलाफ मामला दर्ज किया है. राज्य के अन्न व औषधि प्रशासन आयुक्त तुकाराम मुंडे ने जब से सुगंधित तंबाकू, गुटखा पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए है, तभी से इनकी बिक्री करनेवालों में हड़कंप मचा हुआ है. अन्न व औषधि प्रशासन द्वारा छापामार कार्रवाई कर प्रतिबंधित सुगंधित तंबाकू, गुटखा को जब्त किया जा रहा है. इसी बीच अन्न व औषधि प्रशासन गोंदिया के अन्न सुरक्षा अधिकारी चैतन्य जनार्दन नानोटे को जानकारी मिली कि गोंदिया के फूलचुर निवासी आरोपी संतोष प्रेमचंद जैस्वाल (45) ने बिक्री के उद्देश्य से बड़े पैमाने पर सुगंधित तंबाकू, पान मसाला का अवैध संग्रहण कर रखा है. जानकारी मिलते ही उसके अड्डे पर छापामार

कार्रवाई की गई. छापा मारने पहुंची टीम भी तंबाकू के जखिरे को देखकर हैरान रह गई. जब्त किए गए माल में पान मसाला, पान बहार, सुगंधित तंबाकू आदि का समावेश है. जब्त किए गए सुगंधित तंबाकू का वजन ग्राम में न होकर किलो में है. संपूर्ण माल की कीमत 4 लाख 38 हजार 774 रु. बताई गई है. आरोपी के खिलाफ ग्रामीण थाने में मामला दर्ज किया गया है. शहर में सुगंधित तंबाकू बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे कार्रवाई के अभियान से जिले के पानटपरी संचालकों में हड़कंप मचा हुआ है. अनेकों पान टपरियां तो बंद ही दिखाई पड़ रही है. जिससे गुटखा शौकिनों की चिंता बढ़ गई है.

6,07,000 रुपये का माल जब्त रेत से लदे 2 ट्रैक्टर पकड़े

भंडारा-पुलिस ने अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ अभियान चलाते हुए दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई की है. पुलिस ने रेत से लदे दो ट्रैक्टरों को पकड़कर लाखों रुपये का माल जब्त किया है. पहली कार्रवाई तुमसर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले येरली इलाके में की गई. रात पुलिस सिपाही नामदेव बलदे स्टाफ के साथ गश्त पर थे. इसी दौरान उन्होंने एक संदिग्ध ट्रैक्टर को रोका. जांच करने पर पता चला कि ट्रैक्टर चालक सह मालिक अक्षय शिवचरण कटरे (28) बिना किसी वैध दस्तावेज या रॉयल्टी के ट्रॉली में अवैध रूप से रेत भरकर ले जा रहा था. तुमसर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर (क्र. एमएच-36 एएल-9159) और ट्रॉली में लदी रेत समेत कुल 6,07,000 रुपये का माल जब्त कर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है. दूसरी कार्रवाई पालांदुर पुलिस ने जेवनाला क्षेत्र में की. पालांदुर से लाखनी रोड पर तालाब के पास पुलिस ने एक ट्रैक्टर को अवैध रेत ले जाते हुए पकड़ा.

कोयते से किया हमला

भंडारा-तामसवाडी परिसर में ट्रैक्टर से खेत जोताई के बकाया पैसे मांगने गए नितिन भगत और उसके दोस्त पर आरोपी मयूर बेलुरकर ने कोयते से हमला कर दिया. आरोपी ने काम मनमुताबिक नहीं हुआ कहकर पैसे देने से इनकार किया और गाली-गलौज करते हुए उन्हें घायल कर दिया. नितिन की शिकायत पर तुमसर पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

युवक ने लगाई फांसी

भंडारा-विवेकानंद कॉलोनी (ठाना) में 32 वर्षीय प्रतीक विजय झोडापे ने अपने ही घर के बेडरूम में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. घटना के वक्त प्रतीक काम से लौटकर कमरे में आराम करने गया था और उसने अंदर से कुंडी लगा ली थी. उसने सीलिंग फैन में दुपट्टे का फंदा बनाया. मृतक की मां योगिता झोडापे की सूचना पर पुलिस ने मर्ग दर्ज किया है.

विवाहिता ने गटका जहर

भंडारा-भागडी में 25 वर्षीय प्रतीक्षा संतोष लांजेवार की जहरीली दवा का सेवन किया था. उसे लाखांदुर, ब्रह्मपुरी और फिर गड़चिरोली के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया. ससुर के बयान के आधार पर लाखांदुर पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

मोटरसाइकिल व नकदी जब्त किए

मुर्गों की लड़ाई पर दांव लगाते 6 आरोपी गिरफ्तार

भंडारा-पालांदुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस ने मुर्गों की लड़ाई पर अचानक छापा मारा. इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से 6 जुआरियों को रंगे हाथों धर दबोचा. पकड़े गए आरोपियों की पहचान बारव्हा निवासी अमोल ताराचंद झोड़े (27), ओपारा निवासी चेतन गंगाधर ठाकरे (25), पारडी/मुर्झा निवासी टिकाराम दामाजी भोडकर (35), बारव्हा निवासी जितेश झोड़े (25), ओपारा निवासी गोलू मुदलियार और तिरखुड़ी निवासी शंकर जानबा चाचेरे (60) के रूप में हुई है. पुलिस ने इन सभी के खिलाफ महाराष्ट्र जुआ निषेध कानून की धारा 12 (अ) के तहत मामला दर्ज किया है. छापामार कार्रवाई में पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लड़ाई के तीन मुर्गे, पंजों में बांधी जाने वाली लोहे की धारदार कतियां और जुए की नकद राशि बरामद की है. इसके साथ ही, पुलिस ने घटनास्थल से जुआरियों की ओर से इस्तेमाल की गई एक काले-लाल रंग की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (क्र. एमएच 36 एएफ 4803) को भी अपने कब्जे में ले लिया है. पुलिस प्रशासन के अनुसार, इस पूरी कार्रवाई के दौरान कुल 63 हजार 580 रुपये मूल्य का माल जब्त किया गया है. पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से परिसर के अवैध जुआ कारोबारियों में हड़कंप मच गया है.

2 लाख 40 हजार की देसी शराब सहित बोलेरो वाहन जप्त सालेकसा पुलिस की कार्रवाई

बुलंद गोंदिया। सालेकसा पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम गिरोला से तीरखेड़ी मार्ग पर 21 जून की सुबह 8.45 से 9:50 के दौरान बोलेरो वाहन में अवैध रूप से तस्करी की जा रही 60 पेटी देसी शराब अंदाजन कीमत 2 लाख 40 हजार सहित बोलेरो वाहन जप्त किया गया। उपरोक्त कार्रवाई सालेकसा पुलिस द्वारा की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सालेकसा पुलिस थाना अंतर्गत 21 जून की सुबह गिरोला से तीरखेड़ी जाने वाले मार्ग पर सालेकसा पुलिस द्वारा जांच करवाई की जा रही थी इसी दौरान मार्ग से संदिग्ध परिस्थिति में जा रहे बोलेरो वाहन क्रमांक एमएच 28 व्ही 4420 को रोक कर उसकी तलाशी लिए जाने पर वाहन में देसी शराब रॉकेट ब्रांड की 60 पेटी शराब पाई गई। इस संदर्भ में वाहन में सवार आरोपी संजय सदाशिव राऊत उम्र 50 वर्ष व गणेश ईश्वर निकोडे उम्र 36 वर्ष से पूछताछ किए जाने पर किसी भी प्रकार के दस्तावेज वह परिवहन की मंजूरी नहीं दिखा पाए , जिस पर सालेकसा पुलिस द्वारा कार्रवाई करते हुए शराब वह वाहन को जप्त किया। जप्त किए गए रॉकेट ब्रांड देसी शराब जिसमें प्रत्येक पेटी में 100 नग प्लास्टिक की भरी हुई बोतल जिसकी 40 प्रति बोतल कीमत के अनुसार 6000 नग के 2लाख 40हजार रुपए वह सफेद रंग की महिंद्रा बोलेरो अंदाजन कीमत 5 लाख आरोपियों के पास से जप्त किया गया। उपरोक्त मामले में फरियादी पुलिस हवलदार खुशरंग भोजराज बिसेन सालेकसा पुलिस थाने की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ धारा 65 (अ), (ई), 77 (अ), (ब), 83 महाराष्ट्र दारू बंदी कानून के तहत मामला दर्ज किया गया तथा आगे की जांच सालेकसा पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी भूषण बुराडे के मार्गदर्शन में की जा रही है। शराब बंदी जिले गढ़चिरौली में तस्करी की संभावना सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार उपरोक्त शराब गोंदिया जिले से लगे गढ़चिरौली जिले में तस्करी किये जाने की संभावना है जहां शराब पर प्रतिबंध लगाया हुआ है समाचार लिखे जाने तक यह जानकारी नहीं मिल पाई थी कि उपरोक्त शराब किसी लाइसेंस दुकान से खरीदी की गयी थी ।अथवा नकली शराब का निर्माण कर तस्करी की जा रही थी। जिसमें संभावना जताई जा रही है कि उपरोक्त शराब नकली बनाकर बड़े पैमाने पर तस्करी की जा रही थी। क्योंकि इसके पहले भी गोंदिया जिले से गडचिरोली व चंद्रपुर जिले में बड़े पैमाने पर रॉकेट ब्रांड की नकली देसी शराब की तस्करी की जाती थी जिस समय-समय पर कार्रवाई कर जप्त भी किया गया था। 100 पेटी थी शराब सूत्रों से मिली विश्वसनीय जानकारी के अनुसार उपरोक्त कार्रवाई में अंदाजन 100 पेटी के करीब शराब थी किंतु कार्रवाई में 60 पेटी जप्त बताई गई है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस अंबा टोली गणेश कॉलोनी में सफल आयोजन

बुलंद गोंदिया। अंतर्रा ष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन फुलचूर आंबा टोली, गणेश कॉलोनी,योग दिवस अत्यंत उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का सफल आयोजन योग प्रशिक्षकप्राजक्ता मनीष शुक्ला के नेतृत्व में, नूतन मेश्राम, श्वेता मेश्राम और कई स्वयंसेवकों के सहयोग से किया गया। इस योग सत्र में बड़ी संख्या में महिलाओं, बच्चों और युवाओं ने सक्रिय रूप से भाग लया। नियमित योग प्रशिक्षण, वजन घटाने (वेट-लॉस) के कार्यक्रमों, ध्यान (मेडिटेशन) और कल्याणकारी गतवधियों के माध्यम से प्राजक्ता शुक्ला और उनकी टीम लोगों को स्वस्थ जीवन शैली अनाने के लिए निरंतर प्रेरित कर रही है। लगातार योग के अभ्यास से अनेक शारीरक और मानसिक स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण और सकारात्मक सुधार का अनुभव किया है। इस भव्य आयोजन ने फिटनेस बनाए रखने, तनाव कम करने, लचीला न (फ्लेक्सबलटी) बढ़ाने और समग्र स्वास्थ्य व खुशहाली प्राप्त करने में योग के महत्व पर विशेष रू से प्रकाश डा ला। योग केवल व्यायाम का एक रूप नहीं है,बल्कि जीवन जीने का एक संपू र्ण तरीका है जो शरीर, मन और आत्मा के बीच एक सुंदर सामंजस्य स्थापत करने में मदद करता है। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए प्राजक्ता शुक्ला ने इस पर बल दिया और सभी को योग को अपनी दैनिक दिनचर्यार्ा का एक समर्पित हिस्सा बनाने के लए प्रोत्साहित किया।

स्पार्किंग होने पर गोठे व मकान जलकर खाक

गोरे गांव-तहसील के आंबेतलाव गांव में रविवार की आधी रात के करीब हुई भीषण आग की घटना में एक किसान परिवार का पूरा संसार उजड़ गया. बिजली के तारों में हुई स्पार्किंग के कारण किसान खेमराज पारधी के गोठे (पशु शेड) और रिहायशी मकान में आग लग गई. इस आग में पशुओं का चारा, अनाज, घरेलू सामान, महत्वपूर्ण दस्तावेज और महिला बचत समूह की लगभग 1 लाख 20 हजार रु. की नकद राशि जलकर खाक हो गई. इस घटना से पारधी परिवार पर बड़ा आर्थिक संकट आ गया है. जानकारी के अनुसार, रविवार रात करीब 11 बजे घर के पास स्थित गोठे में अचानक बिजली के तारों से स्पार्किंग हुई. कुछ ही क्षणों में चिंगारियों ने भयंकर आग का रूप धारण कर लिया. गोठे में बड़ी मात्रा में पशुओं का चारा रखा होने के कारण आग तेजी से फैल गई और कुछ ही समय में गोठे के साथ-साथ रिहायशी मकान को भी अपनी चपेट में ले लिया. आग में पशुओं के लिए रखा चारा, चावल, गेहूं, टीवी, कूलर, घरेलू सामान, शैक्षणिक दस्तावेज, बाइक के महत्वपूर्ण कागजात और महिला बचत समूह की लगभग 1 लाख 20 हजार रुपये नकद जल गए घटना की जानकारी मिलते ही आंबेतलाव और आसपास के गांवों के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे. इसके बाद अग्निशमन दल को बुलाया गया. अग्निशमन वाहन के घटनास्थल पर पहुंचने के बाद ग्रामीणों की मदद से लगभग तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया. समय रहते आग नियंत्रित होने से आसपास के घरों और अन्य संपत्ति को होने वाला बड़ा नुकसान टल गया. घटना की जानकारी राजस्व विभाग और संबंधित प्रशासन को दे दी गई है तथा नुकसान का पंचनामा करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है. ग्रामीणों ने शासन से तत्काल आर्थिक सहायता देने की मांग की

योग भारत की प्राचीन व अमूल्य धरोहर : छपरिया

आमगांव-रिसामा स्थित स्वामी विवेकानंद पब्लिक स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की उपस्थिति में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक भौमिक ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि नियमित योगाभ्यास से शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक शांति व सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है. उन्होंने सभी को अपने दैनिक जीवन में योग को शामिल करने के लिए प्रेरित किया. इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिका तेजश्विनी छपरिया ने उपस्थित शिक्षकगण व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को विभिन्न योगासन व प्राणायाम का मार्गदर्शन प्रदान किया. सभी ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास में सहभागिता कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया. अध्यक्षता प्रधानाध्यापिका स्मृति छपरिया ने की. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि योग भारत की प्राचीन व अमूल्य धरोहर है, जो व्यक्ति के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. उन्होंने सभी को नियमित योग करने व इसके प्रति जागरूकता फैलाने का संदेश दिया. कार्यक्रम का समापन स्वस्थ व निरोगी जीवन के संकल्प के साथ हुआ. विद्यालय परिवार ने योग के माध्यम से स्वास्थ्य, अनुशासन व सकारात्मक जीवन मूल्यों को बढ़ावा देने का संदेश दिया.

सौंदड़ सहकारी संस्था चुनाव में निर्विरोध चयन सहकार की जीत, चुरहे अध्यक्ष व येडे उपाध्यक्ष

सड़क अर्जुनी-तहसील की सहकारी भात गिरणी संस्था सौंदड़ का चुनाव हुआ. जिसमें सहकार पैनल ने अकेले दम पर सत्ता पर कब्जा किया और जीत हासिल की. इसमें सहकार पैनल के 13 संचालक और परिवर्तन पैनल के 2 संचालक चुने गए. 21 जून को चुनाव अधिकारी नीलेश जिभकाटे सहकार अधिकारी की उपस्थिति में संगठन के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव हुआ. दोपहर 1 बजे संस्था कार्यालय में अध्यक्ष पद के लिए रमेश चुरहे व उपाध्यक्ष पद के लिए नोकराम येडे ने नामांकन दाखिल किया. अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद के लिए एक-एक नामांकन होने के कारण चुनाव अधिकारी ने दोनों प्रत्याशियों को अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया. इस चुनाव में सहकार पैनल का नेतृत्व सहकार नेता गंगाधर परशुरामकर, डॉ. अविनाश काशीवार और रमेश चुरहे ने किया. इस अवसर पर भागवत कापगते, प्रकाश इरले, मोरेश्वर चांदेवार, सोमेश्वर पटले, सुखदेव कोरे, गोविंदा पंधरे, मनोहर निर्वाण, इकबाल शेख व सहयोग पैनल के कई कार्यकर्ता उपस्थित थे. नवनिर्वाचित अध्यक्ष व उपाध्यक्ष ने उपस्थितों का आभार माना.

बीड़ी श्रमिकों के बच्चों के लिए स्कॉलरशिप करे आवेदन

बुलंद गोंदिया। राज्य सरकार की एक योजना के तहत, गोंदिया जिले में बीड़ी श्रमिकों और अन्य श्रम क्षेत्रों के श्रमिकों के बच्चों को 2026-27 शैक्षणिक वर्ष के लिए शैक्षिक और वित्तीय सहायता दी जाएगी। इस योजना के लिए योग्य छात्रों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। इस योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 1 जून, 2026 को शुरू हुई। कक्षा 1 से लेकर प्रोफेशनल कोर्स (जैसे B.Ed., MBBS और MBA) तक की पढ़ाई कर रहे छात्रों को स्कॉलरशिप दी जाएगी। लाभार्थियों को सालाना 1,000 से 25,000 तक की वित्तीय सहायता मिलेगी। इच्छुक छात्र नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्री-मैट्रिक छात्रों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 अगस्त, 2026 और पोस्ट-मैट्रिक छात्रों के लिए 31 अक्टूबर, 2026 है। राज्य में अकेली महिलाओं के लिए एक समर्पित नीति बनाने के लिए सुझाव और प्रतिक्रिया आमंत्रित बुलंद गोंदिया। महाराष्ट्र सरकार राज्य भर में विधवाओं, तलाकशुदा महिलाओं, पति द्वारा छोड़ी गई महिलाओं, अविवाहित महिलाओं और अन्य अकेली महिलाओं के सर्वांगीण सशक्तिकरण के उद्देश्य से एक समर्पित अकेली महिला नीति बना रही है। यह नीति व्यापक, जन-केंद्रित और प्रभावी हो, यह सुनिश्चित करने के लिए सरकार अकेली महिलाओं, नागरिकों, गैर-सरकारी संगठनों सामाजिक कार्यकर्ताओं, विद्वानों, शोधकर्ताओं और विषय-विशेषज्ञों से सुझाव और प्रतिक्रिया आमंत्रित कर रही है। अकेली महिलाओं द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं को केवल उजागर करने के बजाय, संबंधित लोगों से अनुरोध है कि वे सरकार द्वारा उठाए जाने वाले ठोस उपायों, शुरू की जाने वाली नई योजनाओं, मौजूदा योजनाओं में आवश्यक बदलावों और कानूनों या नियमों में किसी भी आवश्यक संशोधन के बारे में विस्तृत सुझाव दें। सुझाव भेजते समय, कृपया संक्षिप्त या अधूरी राय भेजने से बचें; इसके बजाय, विस्तृत प्रस्ताव दें जिनमें समस्या की पृष्ठभूमि, प्रस्तावित उपाय, संभावित लाभार्थी और अपेक्षित परिणाम शामिल हों। इस नीति-निर्माण प्रक्रिया में अकेली महिलाओं और सभी संबंधित लोगों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। इसलिए, सुझाव और प्रतिक्रिया आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर- 8208589195 पर भेजे जा सकते हैं। अकेली महिला नीति का मसौदा तैयार करते समय प्राप्त सुझावों और प्रतिक्रिया पर उचित विचार किया जाएगा। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी कीर्तिकुमार कत्रे ने सभी नागरिकों, NGOs, महिला संगठनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, विद्वानों और विषय-विशेषज्ञों से इस महत्वपूर्ण पहल में भाग लेने और सरकार का सहयोग करने की अपील की है।

एट्रासिटीके मामलों को संबंधित विभाग प्राथमिकता के आधार पर करे निपटारा-जिलाधिकारी डॉ. मंगेश गोंदावले

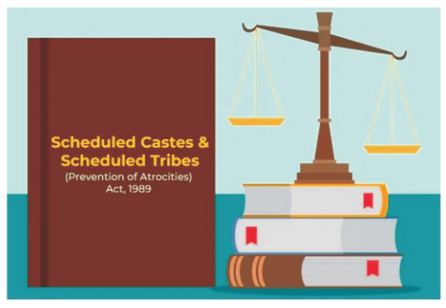

बुलंद गोंदिया। अत्याचार निवारण अधिनियम पिछड़े वर्ग के समुदाय के खिलाफ अत्याचारों को रोकने और उन्हें सामाजिक न्याय दिलाने के लिए बनाया गया था। जिलाधिकारी डॉ. मंगेश गोंदावले ने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि वे इस अधिनियम के तहत अपराधों में सजा की दर बढ़ाने में आने वाली चुनौतियों से निपटने को प्राथमिकता दें। हाल ही में जिलाधिकारी कार्यालय में आयोजित जिला सतर्कता और निगरानी समिति की बैठक में बोल रहे थे। बैठक में समाज कल्याण के सहायक आयुक्त किशोर भोयर, पुलिस अधीक्षक के प्रतिनिधि पुरुषोत्तम अहेरकर, जिला सूचना अधिकारी अंजू कांबले-निमसर्कर, कानूनी अधिकारी मिलिंद चावरे और नागरिक अधिकार संरक्षण दस्ते के प्रतिनिधि उत्तम दहीवले शामिल हुए। जिलाधिकारी मंगेश गोंदावले ने कहा कि स्थानीय अपराध शाखा को जिला सरकारी वकील के साथ समन्वय करना चाहिए ताकि पुलिस जांच के तहत चल रहे मामलों के लिए आवश्यक अदालती मंजूरी मिल सके। उन्होंने निर्देश दिया कि डुग्गीपार पुलिस स्टेशन से जुड़ी एक महिला पीड़ित के लिए जाति प्रमाण पत्र तैयार करने के लिए प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि आमगांव पुलिस स्टेशन से जुड़े एक मृतक व्यक्ति के जाति प्रमाण पत्र तैयार करने के संबंध में उप-विभागीय अधिकारी (देवरी) को पत्र के माध्यम से सूचित किया जाए। इसके अलावा, उन्होंने निर्देश दिया कि संबंधित चिकित्सा अधिकारी को लिखित रूप में सूचित किया जाए कि वे आमगांव के मृतक का नाम सही बताते हुए संशोधित पोस्टमार्टम रिपोर्ट तैयार करें। इसके बाद, समिति के सदस्य-सचिव किशोर भोयर ने मई 2026 के अंत तक मामलों की स्थिति प्रस्तुत की, जिसमें पुलिस विभाग से प्राप्त कुल मामले, पुलिस जांच के तहत मामले, वे मामले जिनमें पुलिस की कार्यवाही पूरी हो चुकी है, अदालत में लंबित मामले और वित्तीय सहायता के लिए लंबित मामले शामिल थे। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए, मई 2026 के अंत तक, हत्या के 2 मामले थे। कुल 9 अपराध दर्ज किए गए हैं, जिनमें शामिल हैं- हत्या का प्रयास (0), बलात्कार (0), शीलभंग (2), मारपीट/गंभीर चोट (1), आगजनी (0), मौखिक दुर्व्यवहार (2), और अन्य (2)। इनमें से 6 मामले अनुसूचित जातियों से और 3 मामले अनुसूचित जनजातियों से संबंधित हैं; फिलहाल सभी 9 मामलों की पुलिस जांच चल रही है। साल 2025-26 में दर्ज कुल 56 अपराधों में से 51 मामले कोर्ट में लंबित हैं, 4 मामलों को पुलिस ने निपटा दिया है और 1 मामले की पुलिस जांच जारी है। यह जानकारी बैठक के दौरान दी गई।

युवाओं ने गड्ढों में बैठकर किया योग अर्जुनी-बोरी सड़क की मरम्मत के लिए आंदोलन

गोंदिया-योग दिवस पर जहां देशभर में जगह-जगह योग कर सेहत का संदेश दिया जा रहा है, वहीं अर्जुनी मोरगांव के राजे छत्रपति ग्रुप युवा मोर्चा के युवाओं ने सरकार का ध्यान खींचने के लिए अनोखे अंदाज में आंदोलन किया. अर्जुनी शहर से करीब एक किलोमीटर दूर अर्जुनी महुरकुड़ा-महागांव-बोरी मार्ग पर गड्ढों में बैठकर युवाओं ने योग दिवस मनाया. मार्ग पिछले कई दिनों से बेहद खराब स्थिति में है और सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं. इन गड्ढों के कारण दोपहिया और चौपहिया वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. इतना ही नहीं बैलगाड़ी चलाना भी मुश्किल हो गया है, इस मार्ग पर कई छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं हो चुकी हैं. सड़क मरम्मत के लिए स्थानीय नागरिक अकसर प्रशासन को ज्ञापन देते हैं. आरोप है कि अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है. राजे छत्रपति ग्रुप युवा मोर्चा ने गड्ढों में बैठकर योग कर प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की. युवाओं और ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा, इस सड़क की तुरंत मरम्मत की जाए, अन्यथा स्थानीय नागरिकों की भागीदारी के साथ और भी तीव्र आंदोलन किया जाएगा. इस अनोखे आंदोलन से क्षेत्र में चर्चा है कि संबंधित विभाग को तुरंत संज्ञान लेते हुए सड़क की मरम्मत कराने की कार्रवाई करनी चाहिए

मल्हारबोड़ी में आधी रात छापा, 2 ट्रैक्टर जब्त अवैध मुरुम तस्करी करते 2 अरेस्ट

गोंदिया-प्रादेशिक वन परिक्षेत्र देवरी अंतर्गत चिचेवाड़ा नियत क्षेत्र के आरक्षित वन में चल रहे अवैध मुरूम खनन व परिवहन पर वन विभाग की गश्ती टीम ने रात करीब दो बजे छापा मारा. इस छापेमारी में अवैध रूप से मुरुम परिवहन कर रहे दो ट्रैक्टर चालकों को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया. साथ ही लाखों रु. का माल भी जब्त किया गया. जानकारी के अनुसार, वन विभाग को गुप्त सूचना मिली कि कुछ देवरी प्रादेशिक वन परिक्षेत्र के मल्हारबोड़ी स्थित गट क्र. 12, कक्ष क्र. 1224 के आरक्षित वनक्षेत्र से कुछ व्यक्ति सरकारी नियमों का उल्लंघन कर रात के अंधेरे में अवैध मुरुम खनन व परिवहन कर रहे हैं. इस सूचना के आधार पर, वन क्षेत्र अधिकारी एस.वी. धोटे, मिश्रा व वन कर्मचारियों की गश्त टीम ने रात 2 बजे मल्हारबोड़ी वनक्षेत्र में छापा मारा. इस दौरान आरक्षित वनक्षेत्र में अवैध खुदाई कर मुरुम का परिवहन करते हुए मुरदोली निवासी हेमकुवर गजानन बहेकार (33) व जीवनलाल आको शिवनकर (42) इन दो ट्रैक्टर चालकों को रंगेहाथों पकड़ा गया. इस कार्रवाई में दो ट्रैक्टर सहित मुरुम जब्त किया गया. दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है.

123 वोट मिले, समर्थकों ने मनाया जश्न नपं उपचुनाव में निर्दलीय विशाल शहारे की जीत

सड़क अर्जुनी-सड़क अर्जुनी में वार्ड क्र. 11 में एक रिक्त पद के लिए 20 जून को उपचुनाव हुआ था. परिणाम, 21 जून को घोषित किया गया. जिसमें निर्दलीय उम्मीदवार विशाल चंद्रशेखर शहारे ने 19 वोटों से जीत हासिल की. निर्दलीय उम्मीदवार विशाल शहारे को 123 वोट मिले. राष्ट्रवादी के अतुल रामजी फुले को 104 वोट, कांग्रेस की मालती अनिल राजगिरे को 13 वोट और शिवसेना (उबाठा) के अजय ज्ञानेश्वर सूर्यवंशी को 4 वोट मिले. चुनाव निर्णय अधिकारी के रूप में तहसीलदार आनंद जाधव और सहायक चुनाव निर्णय अधिकारी के रूप में प्राचार्य सारंग खांडेकर ने चुनाव और परिणाम प्रक्रिया का संचालन किया. विशाल शहारे के विजेता घोषित होने के बाद उन्होंने और उनके समर्थकों द्वारा मुख्य मार्ग पर डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा के सामने जश्न मनाया गया.

भाजपा के अविनाश ब्राह्मनकर भंडारा-गोंदिया स्थानिक प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्र से विजयी

वोटों की गिनती शांतिपूर्ण और पारदर्शी माहौल में पूरी हुई; 457 में से 456 वैध वोटों की गिनती हुई

बुलंद गोंदिया। (भंडारा/गोंदिया)-भंडारा-गोंदिया स्थानिक प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्र से महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव के लिए वोटों की गिनती 22 जून की सुबह 8ः00 बजे ज़िलाधिकारी कार्यालय के वैनगंगा हॉल में शुरू हुई। यह प्रक्रिया चुनाव पर्यवेक्षक नितिन पाटिल और ज़िला रिटर्निंग ऑफिसर व जिलाधिकारी सावन कुमार की मौजूदगी में शांतिपूर्ण और पारदर्शी माहौल में पूरी की गई। गिनती के बाद, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के उम्मीदवार अविनाश ब्रह्मनकर विजयी हुए। गिनती की प्रक्रिया ज़िलाधिकारी कार्यालय के वैनगंगा हॉल में शुरू हुई। चुनाव विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे, जिनमें अतिरिक्त ज़िलाधिकारी राजेंद्र कुमार जाधव, निवासी उप ज़िलाधिकारीऔर सहायक रिटर्निंग ऑफिसर मनोहर चव्हाण, उप ज़िलाधिकारी (चुनाव) विकास व्यवहारे, उप ज़िलाधिकारीजे.पी. लोंढे और नायब तहसीलदार (चुनाव) रोशनी दिघोरे शामिल थे। गिनती पूरी होने पर, बीजेपी उम्मीदवार अविनाश ब्रह्मनकर ने 302 वोट हासिल कर जीत दर्ज की। प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार नरेश ईश्वरकर को 154 वोट मिले, जबकि सचिन कुंभलकर को एक भी वोट नहीं मिला। कुल 457 वोटों में से एक को अमान्य घोषित कर दिया गया, जिससे 456 वैध वोट बचे। गिनती के बाद, रिटर्निंग ऑफिसर ने विजेता उम्मीदवार अविनाश ब्रह्मनकर को जीत का प्रमाण पत्र सौंपा। इस मौके पर चुनाव पर्यवेक्षक नितिन पाटिल औरज़िलाधिकारी-सह-रिटर्निंग ऑफिसर सावन कुमार मौजूद थे। भंडारा-गोंदिया लोकल अथॉरिटीज़ निर्वाचन क्षेत्र के चार मतदान केंद्रों से कुल 457 मतपत्र प्राप्त हुए। प्राप्त मतपत्रों में भंडारा केंद्र से 166, सकोली से 61, गोंदिया से 154 और सड़क-अर्जुनी से 76 मतपत्र शामिल थे। चूंकि एक वोट अमान्य घोषित किया गया था, इसलिए कुल 456 वोटों की गिनती की गई। प्रशासन ने बताया कि वोट की गिनती की पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण, सुचारू और पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई।

स्वस्थ जीवन के लिए योग अत्यंत महत्वपूर्ण-जिलाधिकारी डॉ. मंगेश गोंदावले

विभिन्न योगासनों के साथ उत्साहपूर्वक मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

बुलंद गोंदिया। योग भारत की ओर से दुनिया को दिया गया एक अमूल्य उपहार है। जिला कलेक्टर डॉ. मंगेश गोंडावले ने कहा कि स्वस्थ, संतुलित और खुशहाल जीवन जीने के लिए मानव जीवन में योग का बहुत महत्व है। इंदिरा गांधी स्टेडियम में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवसको बड़े उत्साह के साथ मनाने के लिए आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष सचिन शेंडे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे, नगर परिषद के मुख्य अधिकारी संदीप बोरकर और धावक मुन्नालाल यादव प्रमुख रूप से उपस्थित थे। जिलाधिकारी गोंदावले ने कहा कि गोंदिया जिले को सुंदर, स्वच्छ और हरा-भरा बनाने के लिए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाए जाएंगे। साथ ही स्वच्छता अभियान, नशा मुक्ति कार्यक्रम और योग अभ्यास सत्र जैसी पहल भी शुरू की जाएंगी। उन्होंने जिले के नागरिकों से इन पहलों को सफल बनाने में योगदान देने की अपील की। उन्होंने सभी से नियमित रूप से योग का अभ्यास करके स्वस्थ और संतुलित जीवन शैली अपनाने का आग्रह किया। इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का विषय स्वस्थ उम्र बढ़ने के लिए योग है, जो शारीरिक, मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में योग के महत्व को उजागर करता है। नियमित योग अभ्यास तनाव को प्रबंधित करने, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, मानसिक स्थिरता और एकाग्रता प्राप्त करने तथा जीवन शैली से जुड़ी बीमारियों से बचाव में मदद करता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज की तेज-तर्रार और भागदौड़ भरी जिंदगी में योग अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर डॉ. नागेश गौतम ने उपस्थित लोगों को विभिन्न योग प्रदर्शनों के माध्यम से मार्गदर्शन दिया। इनमें शरीर को ढीला करने वाले व्यायाम (जैसे गर्दन, कमर, कंधे और घुटने की गतिविधियां) और योगासन शामिल थे, जैसे ताड़ासन, वृक्षासन, अर्ध चक्रासन, पादहस्तासन, त्रिकोणासन, दंडासन, भद्रासन, वज्रासन, अर्ध उष्ट्रासन, शशांकासन, वक्रासन, उत्तान मंडुकासन, मकरासन, भुजंगासन, शलभासन, सेतु बंधासन, उत्तान पादासन, अर्ध हलासन, पवनमुक्तासन और शवासन। इसके अलावा, कपालभाति, शीतली, अनुलोम-विलोम और भ्रामरी जैसी प्राणायाम तकनीकों के साथ-साथ ध्यान (प्रणव) का अभ्यास भी किया गया। इस कार्यक्रम में कई योग संगठनों ने हिस्सा लिया, जिनमें नगर योग उत्सव समिति (गोंदिया), अखिल विश्व गायत्री परिवार, आरोग्य भारती, आर्ट ऑफ़ लिविंग, प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज़ ईश्वरीय विश्वविद्यालय, दिव्य योग फ़ाउंडेशन, पतंजलि योग समिति, रामकृष्ण सत्संग मंडल, श्री राम चंद्र मिशन हार्टफुलनेस इंस्टीट्यूट, योग मित्र मंडल और बलवान योग शामिल थे।

इस मौके पर गोंदिया ज़िले को नशा-मुक्त बनाने के पक्के संकल्प को दोहराते हुए सामूहिक रूप से नशा-मुक्त भारत शपथ ली गई। नशा-मुक्त भारत के समर्थन में एक हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। डॉ. नागेश गौतम ने कार्यक्रम का संचालन किया, जबकि डॉ. प्रशांत कटरे ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया। बड़ी संख्या में नागरिकों ने कार्यक्रम में भाग लिया और इसका समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

चाकू से वार कर वृद्ध की नृशंस हत्या रमाईनगर में हुई वारदात

गोंदिया-सालेकसा थाने के तहत रमाईनगर इलाके में रविवार की रात 9.30 बजे एक वृद्ध की चाकू मारकर हत्या कर दी गई. प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी को उसने अपने घर के सामने सड़क से सेंट्रिंग बल्ली हटाने के लिए कहा था. मृतक का नाम पतिराम मेहतर वट्टी (60) बताया गया है. पतिराम क्षेत्र में नाश्ते की टपरी चलाते हैं और उनके पड़ोसी वट्टी रमाईनगर नंदू सूरजलाल बर्वे (59) एक नया घर बना रहे हैं. निर्माण के लिए लगाए गए सेंट्रिंग बल्लियों के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही थी. इस पर पतिराम ने नंदू से बल्लियां हटाने के लिए कहा. रविवार रात करीब साढ़े नौ बजे नंदू पतिराम के घर के सामने सड़क पर आया और जोर-जोर से गालीगलौज करने लगा. उसकी आवाज सुनकर पतिराम का बेटा राहुल उसके पास गया गया और उसके बाद पतिराम भी उसे समझाने गया तो नंदू ने पतिराम पर चाकू से वार कर दिया. खून से लथपथ पतिराम को सरकारी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. इस मामले में 54 वर्षीय फिर्यादी महिला की शिकायत पर सालेकसा पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच पुलिस निरीक्षक भुषण बुराडे कर रहे हैं.

बच्चों को मुफ्त छाता व हवा पंप की सुविधा

गजानन वाटिका में नगर परिषद की सराहनीय पहल

तिरोड़ा-शहर के नप गजानन वाटिका में बच्चों और स्कूली विद्यार्थियों के लिए एक अनोखी और मानवीय पहल शुरू की गई है. शाम को वाटिका में खेलने और पढ़ने के लिए साइकिल लाने वाले छात्रों के लिए बारिश के मौसम में मुफ्त साइकिल हवा पंप और मुफ्त छाता सेवा प्रदान की जा रही है. वाटिका में आने वाले लड़के लड़कियों की साइकिल पंक्चर हो जाए या हवा खत्म हो जाए तो उनके लिए वाटिका कार्यालय में लाल रंग का एयर पंप लगाया गया है. बच्चों की साइकिलों की मरम्मत कर्मचारी स्वयं निःशुल्क करते हैं. यदि छात्र स्कूल से घर जाते समय या बरसात के मौसम में वाटिका में आते समय अपना छाता भूल जाते हैं, तो उन्हें मुफ्त में रंगीन छाते दिए जाते हैं. यह सुविधा विश्वास पर चल रही है और छात्रों को इसका उपयोग करने के बाद इसे गजानन वाटिका के कार्यालय में वापस करना होगा. बारिश के मौसम में छाते की सुविधा बहुत उपयोगी होती है, ऐसी प्रतिक्रिया अभिभावक प्रमोद रहांगडाले ने व्यक्त की. शहर के सार्वजनिक पार्क में इस तरह की छत्री बैंक और हवा पंप सेवा प्रदान करने वाला तिरोड़ा नगर परिषद गोंदिया जिले का पहला नगर परिषद बन गया है. छोटी-छोटी बातों से लेकर नागरिकों का ख्याल रखने वाली यह पहल अन्य नगर परिषदों के लिए आदर्श बन रही है. जिससे बच्चों को राहत मिलेगी.

अज्ञात वाहन की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

साइकिल से काम पर निकले थे

तिरोड़ा-तहसील के सेलोटपार निवासी गंगाराम शेंडे (78) को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी. जिसमें उनकी मौत हो गई. जानकारी के अनुसार, गंगाराम शेंडे सोमवार की सुबह करीब 9.30 बजे एसबीआई बैंक शाखा मुंडीकोटा में काम के लिए साइकिल से निकले थे. दोपहर मुंडीकोटा से साइकिल से वह नवेगांव इसी दौरान यडमाकोट मोड़ पर अज्ञात करीब 12.10 बजे की ओर आ रहे थे. वाहन ने उनकी साइकिल को पीछे से टक्कर मार दी. जिसमें वह गंभीर रुप से घायल हो गए. उन्हें तत्काल एम्बुलेंस में तिरोड़ा के सरकारी अस्पताल ले जाया गया. जहां डाक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया. फिर्यादी अक्षय शेंडे (19) की शिकायत पर तिरोड़ा पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

सामाजिक सभागृह का निर्माण कार्य अधूरा बिल बना पूर्ण कार्य का नगराध्यक्ष शेंडे ने मामला दर्ज करने का दिया आदेश

बुलंद गोंदिया। गोंदिया शहर के प्रभाव क्रमांक 12 में रामेश्वरम मंदिर बसंत टाल के समीप सामाजिक सभागृह का निर्माण कार्य दलितो उत्तर योजना के अंतर्गत मंजूर किया गया था। जिसका निर्माण कार्य अधूरा होने के बावजूद पूर्ण कार्य का बिल बनाने का प्रकरण सामने आने पर नगराध्यक्ष सचिन शेंडे द्वारा इस पर कार्रवाई कर मामला दर्ज करने का आदेश दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोंदिया शहर के प्रभात क्रमांक 12 में स्थित रामेश्वरम मंदिर बसंत टाल के समीप सामाजिक सभागृह निर्माणकार्य के बांधकाम का आदेश दलितो उत्तर योजना के तहत महाराष्ट्र ट्रेडर्स ठेकेदार संदीप कडुकर को कार्य देश क्रमांक 62 /25 दिनांक 8 जनवरी 2026 को दिया गया था इसके पश्चात ठेकेदार द्वारा कार्य शुरू किया गया था। लेकिन इस मामले में निर्माण कार्य के दौरान परिसर निवासी अर्जदार पुष्पांजलि बैस व श्रीमती सीमा फुंडे के आने जाने का मार्ग बंद हो जाने के चलते इसका प्रकरण दूसरे सह दीवानी न्यायालय वरिष्ठ स्तर गोंदिया में नजूल भू माँपन क्रमांक 514 /65 न्याय प्रविष्टि है। जिस पर अपर तहसीलदार गोंदिया के आदेश से मुख्याधिकारी नगर परिषद गोंदिया द्वारा उपरोक्त कार्य को तत्काल प्रभाव से बंद करने का पत्र दिया गया था। विशेष यह है कि कार्य रुकने के पश्चात जितना कार्य किया गया उसका रनिंग बिल बनवा कर राशि प्राप्त की जा सकती थी किन्तु इस प्रकरण में सामने आया कि लेखा बिल क्रमांक 182 /21मई 26 के अनुसार कार्य पूरा ना करते हुए तथा उसका कार्य पूर्ण प्रमाण पत्र प्राप्त न कर नगर परिषद बांधकाम विभाग के नगर अभियंता, सहायक अभियंता के साथ-साथ साठगाट कर पूरे कार्य का बिल बनवाकर राशि प्राप्त करने का कार्य किया गया। उपरोक्त प्रकरण जब नगराध्यक्ष सचिन सेंडे के सामने आया तो कार्यस्थल का निरीक्षण किया गया जिसमें यह पाया गया की कार्य मात्र 25 से 30त्न ही पूर्ण हुआ है जिसके चलते पूरे बिल पर रोक लगाते हुए भुगतान रोकने का आदेश देने के साथ ही बिना पूर्ण कार्य के बिल बनाकर राशि राशि निकालना का कार्य करने वाले नगर परिषद अभियंता, जूनियर अभियंता व संबंधित ठेकेदार पर जांच कर कार्रवाई करने की मांग का पत्र मुख्याधिकारी को देकर किया हैसाथ ही संबंधित ठेकेदार को 3 वर्ष के लिए ब्लैक लिस्ट करने की मांग की है किंतु अब तक इस पर किसी भी प्रकार की कार्रवाई सामने नहीं आई है जिससे इस प्रकरण पर प्रश्न चिन्ह लगता दिखाई दे रहा है।

प्रकरण की जांच शुरू है पूरा बिल बनाने बल के संदर्भ में जांच का आदेश दिया है तथा इसकी जांच शुरू है यदि इसमें कोई दोषी पाया जाता है तो उस पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएंगी।

-संदीप बोरकर मुख्याधिकारी नगर परिषद गोंदिया।

बिल पूरे कार्य का नहीं बनाया था सामाजिक सभागृह के निर्माण कार्य का बिल संपूर्ण कार्य का नहीं बनाया गया था जितना कार्य हुआ था उतना ही बिल बनाया गया था इस प्रकरण में मुख्य अधिकारी द्वारा अव्वल मांगे जाने पर दिए गए निर्देश के आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएंगी।

- राजीव जाधव नगर परिषद अभियंता बांधकाम विभाग गोंदिया।

गोंदिया ज़िले में कृषि विकास के सभी प्रस्तावों पर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश- कृषि मंत्री दत्तात्रेय भरणे

बुलंद गोंदिया। (मुंबई)- कृषि मंत्री दत्तात्रेय भरणे ने गोंदिया ज़िले में कृषि विकास से जुड़े सभी प्रस्तावों पर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इनमें ज़िले में एक नया सरकारी कृषि कॉलेज स्थापित करना और किसानों के लिए अच्छी गुणवत्ता वाले बीज, उर्वरक और आधुनिक कृषि सुविधाएं उपलब्ध कराना शामिल है। वे गोंदिया ज़िले में नए सरकारी कृषि कॉलेज को मंज़ूरी देने के संबंध में मंत्रालय में आयोजित एक बैठक में बोल रहे थे। बैठक में गोंदिया के विधायक विनोद अग्रवाल, कृषि विभाग के सचिव परिमल सिंह और कृषि आयुक्त सूरज मंधारे मौजूद थे। मंत्री भरणे ने कहा कि कृषि विभाग के लिए भूमि-उपयोग नीति तैयार करने की आवश्यकता है। गोंदिया में नया सरकारी कृषि कॉलेज स्थापित करने का प्रस्ताव तैयार करने का काम अभी डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विश्वविद्यालय स्तर पर चल रहा है। इसके अलावा, भविष्य में करंजा स्थित तालुका बीज गुणन केंद्र के परिसर में विभिन्न फसलों के लिए प्रदर्शन प्लॉट बनाकर एक कृषि पार्क विकसित करने की योजना है। करंजा में कृषि विभाग की ज़मीन पर ज़रूरी इमारतों-जिनमें विभिन्न कार्यालय, प्रयोगशालाएं और किसानों का प्रशिक्षण केंद्र शामिल हैं-के निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग को एक प्रस्ताव सौंपा गया है। ज़मीन के सर्वेक्षण की प्रक्रिया अभी चल रही है। उन्होंने यह भी बताया कि नागपुर ज़िले में कृषि विभाग के तीन प्रमुख कृषि फार्मों के चारों ओर सुरक्षात्मक बाड़ लगाने का प्रस्ताव कृषि के संभागीय संयुक्त निदेशक को सौंपा गया है। मंत्री भरणे ने बताया कि कृषि विभाग द्वारा लागू मशीनीकरण योजना के तहत अब तक 2,747 लाभार्थियों को 26.57 करोड़ की सब्सिडी बांटी गई है। शेष लाभार्थियों के लिए लगभग ?13.69 करोड़ की सब्सिडी का प्रस्ताव सरकार को सौंपा गया है। इसके अलावा फील्ड-स्तर के अधिकारियों के कामकाज के लिए ज़रूरी वाहनों की उपलब्धता... साथ ही, बैठक में सिम कार्ड, मोबाइल फोन, टैबलेट और लैपटॉप के वितरण से जुड़े लंबित मामलों की समीक्षा की गई। लैपटॉप वितरण की प्रक्रिया जल्द ही पूरी होने वाली है। हालांकि करंजा में मंज़ूर की गई मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला चालू है, लेकिन ज़रूरी कर्मचारियों की कमी के कारण मुश्किलें आ रही हैं; कृषि विभाग के नए स्टाफिंग स्ट्रक्चर के अनुसार स्टाफ की मंज़ूरी लेने के लिए सरकारी स्तर पर कार्रवाई शुरू की जाएगी।

खाद की बिक्री में गड़बड़ियों को रोकने के लिए 20 मई, 2026 के सर्कुलर में जारी निर्देशों का सख्ती से पालन करना ज़रूरी है। अब तक 60 कृषि केंद्रों का निरीक्षण किया जा चुका है; पाँच खाद डीलरों के लाइसेंस रद्द कर दिए गए हैं और 22 को सस्पेंड कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि एक कृषि केंद्र के ख़िलाफ़ स्नढ्ढक्र दर्ज की गई है और यूरिया खाद को ज़्यादा दाम पर बेचने वालों के ख़िलाफ़ कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

राज्य भर में यूरिया खाद की बिक्री में गड़बड़ियों के बीच, 22 जून, 2026 तक 12,224 खाद डीलरों का निरीक्षण किया गया था। इनमें से 1,192 डीलरों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। मंत्री भर्ने ने बताया कि 55 डीलरों के लाइसेंस रद्द कर दिए गए और 833 डीलरों के लाइसेंस सस्पेंड कर दिए गए, जबकि 21 मामलों में पुलिस केस दर्ज किए गए।

बाघनदी में कूदकर युवक ने की सुसाइड

कारण अभी अज्ञात, पुल से लगाया छलांग

गोंदिया-देवरी तहसील के पुराडा के एक 20 वर्षीय युवक ने पुल से नदी में कूदकर आत्महत्या कर ली. इस घटना से परिसर में हड़कंप मच गया है. जानकारी के अनुसार, पुराड़ा निवासी दिनेश मोहनकर (20) ने लोहारा- मोहनटोला-पुराड़ा मार्ग पर बाघनदी पुल से पानी में छलांग लगा दी. घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय नागरिक मौके पर पहुंचे. इसके बाद संबंधित यंत्रणा को जानकारी दी गई. घटना के बाद परिसर में कुछ देर के लिए तनाव व्याप्त हो गया. आत्महत्या के पीछे का सही कारण अभी तक सामने नहीं आया है और संबंधित विभाग मामले की जांच कर रही हैं. जांच के बाद ही घटना के पीछे का कारण स्पष्ट होने की संभावना है. आगामी समय में कारण पता चलने पर कार्रवाई की जाएगी. जिसके बाद आगे की स्थिति को देखते हुए प्रशासन कार्रवाई की जाएगी.

राष्ट्रीय राजमार्ग क्र. 53 पर ट्रैवल्स बस दुर्घटनाग्रस्त

गोंदिया-देवरी तहसील में राष्ट्रीय राजमार्ग क्र. 53 पर स्थित ग्राम मुरदोली परिसर में रविवार की शाम 6 बजे यात्री ट्रैवल्स बस का अचानक टायर फटने से चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और वाहन सड़क के किनारे जाकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई. इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई और एक बड़ा हादसा टल गया. मिली जानकारी के अनुसार, संबंधित ट्रैवल्स बस रायपुर से नागपुर की ओर जा रही थी. बस में कुल 29 यात्री सवार थे. यात्रा के दौरान मुरदोली परिसर के पास अचानक ट्रैवल्स का अगला टायर फट गया. बस सड़क से नीचे उतर गई. हादसे की गंभीरता को देखते हुए बड़े हादसे की आशंका थी, लेकिन चालक की सूझबूझ से बड़ी दुर्घटना टल गई. दुर्घटना में ट्रैवल्स चालक घायल हो गया और उसे तत्काल एम्बुलेंस से ग्रामीण अस्पताल देवरी में भर्ती कराया गया. वहां प्राथमिक उपचार दिया गया. वाहन में सवार सभी 29 यात्री सुरक्षित सुरक्षित हैं और उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई है. घटना की जानकारी मिलते ही देवरी पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, पुलिस ने यातायात सुचारू करने के साथ ही कार्रवाई शुरू की. राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित रहा. लेकिन पुलिस की तत्परता से जल्द ही यातायात बहाल कर दिया गया.

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।